१. धरती का आँगन महके

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो :

(१) प्रवाह तालिका पूर्ण करो :

कवि की अपेक्षाएँ

↓

पूरी धरती का आँगन ज्ञान-विज्ञान की सुगंध से महके

↓

सभी खेतों तक नदियों का जल पहुँचे, ताकि वहाँ धान की भरपूर फसल हो।

↓

शिल्पकला खूब विकसित हो ।

↓

यह पृथ्वी फलों-फूलों से हरी-भरी हो।

(२) कृति पूर्ण करो :

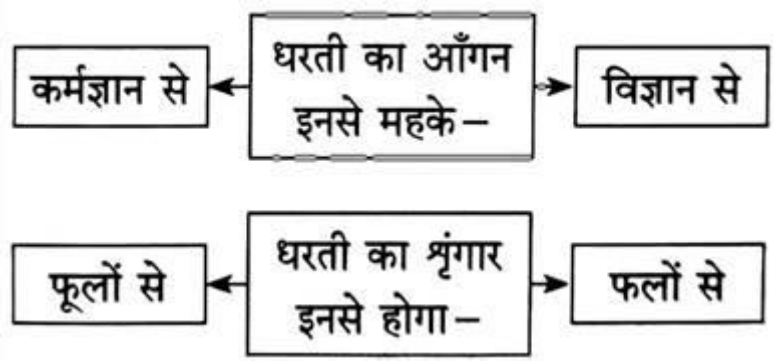

(३) उत्तर लिखो :

१. मेधा की ऊँचाई नापेगा - प्रतिभा का पैमाना

२. हम सब मिलकर करें - जयगान से वसुधा की आचार्ना

(४) कृति करो :

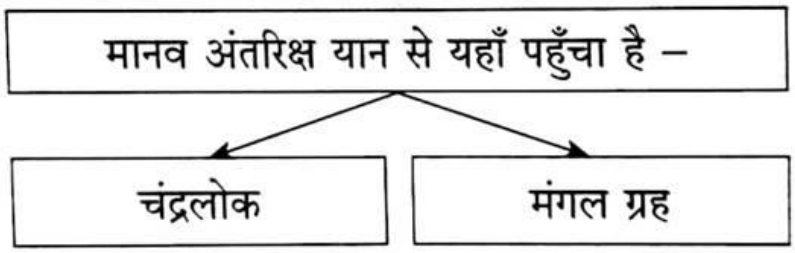

भाषा बिंदु

(अ) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखो तथा उनका वाक्यों में प्रयोग करो :
(शरीर, मनुष्य, पृथ्वी, छाती, पथ)

(१) शरीर - तन ।
वाक्य : हमें मातृभूमि के लिए तन, मन, धन न्योछावर करने के लिए तत्पर रहना चाहिए।

(२) मनुष्य मानव ।
वाक्य : मानव ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति है।

(३) पृथ्वी - धरती ।
वाक्य : धरती हमें धन-धान्य देती है।

(४) छाती - सीना ।
वाक्य : कर्मवीर धरती का सीना चीरकर खनिज निकालते हैं।

(५) पथ - मार्ग ।
वाक्य : दृढ़निश्चयी का मार्ग कोई भी बाधा नहीं रोक सकती।

(आ) पाठों में आए सभी प्रकार के सर्वनाम ढूँढ़कर उनका अपने वाक्यों में प्रयोग करो।

उत्तर :
(१) मैं - मैं कल महाबलेश्वर जाऊँगा।

(२) वह - वह मेरा घनिष्ठ मित्र है।

(३) तुम - तुम परीक्षा की तैयारी करने कल हमारे घर आ रहे हो न।

(४) वे - जिन्हें कल सम्मानित किया गया वे मेरे पिता जी हैं।

(५) उन्हें - मैं अभी आ रही हूँ, उन्हें आराम से बिठाओ।

(६) मैंने – मैंने एक कविता लिखी है।

(७) आपको - आपको अध्यक्ष पद के लिए आमंत्रित किया जाता है।

उपयोजित लेखन

'छाते की आत्मकथा' विषय पर निबंध लिखो।

उत्तर : मैं एक छाता हूँ। आज मैं आपको अपनी कथा | सुनाना चाहता हूँ। मेरा जन्म दिल्ली के एक कारखाने में | हुआ था। कई कारीगरों ने बड़ी मेहनत से मुझे बनाया था। | जब मैं बनकर तैयार हुआ, मेरा रंग-रूप देखने लायक था। | मेरे साथ मेरे बहुत-से साथी भी थे। कुछ रंग-बिरंगे थे और | कुछ केवल एक रंग के। हम सबको लाकर एक दुकान में काँच की अलमारी में सजा दिया गया। कुछ दिन बाद वहीं | बैठे-बैठे मैंने बड़ी तेज गड़गड़ाहट सुनी। घने बादल घिर आए, चारों ओर अँधेरा छा गया। उसी समय एक लड़की दुकान में आई।

दुकानदार ने उसके कहने पर मुझे और कई साथियों को खोलकर दिखाया। उसे मेरा रंग पसंद आया और उसने मुझे खरीद लिया। लड़की मुझे लेकर बाहर आई ही थी कि आसमान से पानी की बूँदें बरसने लगीं। उसने | मुझे खोलकर अपने सिर पर तान लिया। बारिश अभी भी | हो रही थी, पर वह नहीं भीग रही थी। लड़की बहुत खुश थी। उसे खुश देखकर मुझे भी अच्छा लग रहा था, क्योंकि मैं उसे खुशी दे सका था। लड़की मेरी बहुत देखभाल करती है। सदा अपने साथ अपने बैग में रखती है। जहाँ भी जाती है, मुझे साथ लेकर जाती है। मैं अपनी स्थिति से एकदम संतुष्ट हूँ। जिस काम के लिए मुझे बनाया गया था, मैं उसे पूरा जो कर रहा हूँ।

कल्पना पल्लवन

'विश्व शांति की माँग सर्वाधिक प्रासंगिक है', इस तथ्य पर अपने विचार लिखो।

उत्तर : आज मनुष्य विनाश के कगार पर खड़ा है। अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए आज वह भयानक और कठिन से कठिन अस्त्र-शस्त्रों की होड़ में लगा है। अपनी अपार शक्ति का परिचय देने के लिए अणुबम, परमाणु बम आदि बना रहा है। विश्व के अनेक शक्तिशाली राष्ट्र एक-दूसरे पर और निर्बल राष्ट्रों को अपने अधीन करने के लिए निरंतर प्रयत्नशील हैं। इसलिए आज विश्व शांति की आवश्यकता बढ़ती जा रही है। विश्व शांति कैसे स्थापित हो। यह एक विचारणीय प्रश्न है। इसके लिए सबसे अधिक आवश्यक है, भाईचारे की भावना। भाईचारा, मेलमिलाप की भावना और परस्पर हित-चिंतन की भावना विश्व शांति की दिशा में महान कदम और सार्थक कार्य होगा। परस्पर दुख-सुख की भावना और कल्याण की भावना विश्व शांति के लिए ठोस कदम होगा।